दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका

दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 79 | अक्टूबर–दिसम्बर 2010 | पंजी॰ सं॰ आर.–43037/85

दिल्ली पुलिस परिवार के 17वें नए मुखिया
पुलिस आयुक्त श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता

जीवन परिचयः 10 नवम्बर, 2010 को नए पुलिस आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण करने वाले श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता का जन्म इलाहाबाद में हुआ। 1975 (एग्मू) कैडर के आई॰पी॰एस॰ अधिकारी श्री गुप्ता ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री प्राप्त की है।

महत्त्वपूर्ण तैनातीः–

जिला पुलिस अधीक्षक (लुंग्लेई, मिजोरम)	नवम्बर 1979 से दिसम्बर 1983
उपायुक्त पुलिस (विशेष शाखा, दिल्ली)	फरवरी 1983 से दिसम्बर 1983
उपायुक्त पुलिस (नई दिल्ली जिला)	दिसम्बर 1983 से अगस्त 1986
उपायुक्त पुलिस (मुख्यालय)	अगस्त 1986 से अप्रैल 1988
उपायुक्त पुलिस (उत्तरी जिला)	अप्रैल 1988 से फरवरी 1990
उपायुक्त पुलिस (पी.एम. सुरक्षा)	फरवरी 1990 से अक्टूबर 1991
उप–निदेशक (एसपीजी)	फरवरी 1992 से फरवरी 1996
अति॰आयुक्त पुलिस (उत्तरी परिक्षेत्र)	फरवरी 1996 से जुलाई 1997
अतिरिक्त आयुक्त पुलिस, (अपराध)	जुलाई 1997 से मई 1999
इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (मिजोरम)	मई 1999 से सितम्बर 2002
संयुक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली)	सितम्बर 2002 से जुलाई 2003
संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध)	जुलाई 2003 से जून 2004
विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा)	जून 2004 से जून 2006
महानिदेशक (दिल्ली जेल)	जुलाई 2006 से 9 नवम्बर 2010

तथा **10 नवम्बर, 2010 को पुलिस आयुक्त, दिल्ली का पदभार ग्रहण किया।**

सम्मान व पुरस्कारः श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता को सराहनीय सेवाओं व उल्लेखनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक तथा मिजोरम में सेवाकाल के दौरान पुलिस स्पेशल ड्यूटी मैडल (बार) से सम्मानित किया गया है।

उपलब्धियाँः महानिदेशक (दिल्ली जेल) के पद पर काम करते हुए उनके द्वारा चलाई गई विभिन्न सकारात्मक योजनाओं के कारण दिल्ली जेल को प्रतिष्ठित आई.एस.ओ. 9001–2000 प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। जेल महानिदेशक के तौर पर काम करते हुए उन्होंने आगंतुक प्रबंधन व्यवस्था, पहली बार



महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट करते हुए नवनियुक्त पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता



माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. हामिद अंसारी से शिष्टाचार भेंट करते हुए नवनियुक्त पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता

अपराधों में संलिप्त हुए अपराधियों के लिए सुधार एवं पुनःस्थापना गतिविधियाँ चलाने, नशा मुक्ति केन्द्र की स्थापना, एच.आई.वी. तथा मादक द्रव्य व्यसन कैदियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने में विशेष सफलता पाई। विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) के तौर पर काम करते हुए विदेशी अतिथियों, अतिविशिष्ट व्यक्तियों, केबिनेट मंत्रियों तथा प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था व 26 जनवरी तथा 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर फूलप्रूफ सुरक्षा प्रबंध उनके कुशल नेतृत्त्व में हुए। तेलगी स्टाम्प घोटाले का भंडाफोड़ करने में भी उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही। सुखदेव उर्फ सुक्खा नामक कुख्यात आंतकवादी की बाराखम्बा रोड इलाके से गिरफ्तारी में शानदार भूमिका, लारकिंस ब्रदर्स जासूस कांड का पर्दाफाश व 1997–98 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों को सुलझाने में उन्होंने अनुकरणीय दिशा–निर्देश व शानदार कार्यकुशलता का परिचय दिया।

पुलिस आयुक्त के तौर पर इनकी प्राथमिकताएँ: 10 नवम्बर को पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के तत्काल बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि निवर्तमान पुलिस आयुक्त श्री युद्धवीर सिह डडवाल ने राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान पुख्ता व बेहतरीन सुरक्षा प्रबंध किये। उसके लिए उन्होंने दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों एवं जवानों की प्रशंसा की व बधाई दी। दिल्ली पुलिस द्वारा पूर्व में चलाये जा रहे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा व यातयात प्रबंधन के प्रभावशाली कदम उठाये जायेंगे। दिल्ली में महिलाओं व बुजुर्गों की समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। इसके लिए सभी पुलिस स्टेशनों में कम से कम सुबह 8 बजे से सायं 8 बजे तक महिलाओं की समस्याओं को सुनने के लिए एक विशेष डेस्क होगा ताकि डेस्क पर तैनात महिला पुलिसकर्मी आदर व सम्मान के साथ उनकी समस्या सुन सके। विश्वविद्यालय परिसर व उसके आसपास महिला पुलिसकर्मियों की प्रत्यक्षता बढ़ाई जाएगी। दिल्ली पुलिस का करुणामय व मानवीय व्यवहार लोगों के सामने लाने के लिए पुलिस को एक दोस्त पुलिस के रूप में स्थापित करने में कारगर कदम उठाए जाएंगे। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि पुलिसकर्मी प्रत्येक दृष्टिकोण से प्रशिक्षित व निपुण हो क्योंकि जरूरी नहीं कि हर नागरिक अपनी शिकायत लेकर ही पुलिस के पास आता हो। आम नागरिक रास्ता पूछने, परामर्श लेने, अपने सुझाव देने, कोई गोपनीय सूचना देने, पुलिस को सहयोग करने आदि जैसे बहुत से मसलों पर पुलिस के सम्पर्क में आता है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा व विशेष प्रकोष्ठ को नए सिरे से संगठित करते हुए उसमें समर्पित व निपुण पुलिस अफसरों व जवानों को तैनात करते हुए उनके काम का पुनर्निरीक्षण किया जाएगा। सभी थानाध्यक्षों के कामों की समीक्षा करते हुए किसी असंवैधानिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से हटाया जाएगा तथा वहीं बेहतरीन व शानदार कार्य करने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से प्रोत्साहित भी किया जाएगा। दिल्ली पुलिस की रीढ़ कांस्टेबलरी स्तर पर विशेष जोर देते हुए बीट व्यवस्था को प्रभावशाली बनाया जाएगा। पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने आम जनता को सीधे अपनी शिकायतें या सुझाव उन तक पहुँचाने के लिए ई–मेल bk.gupta@nic.in/वेबसाइट पर भेजने के लिए कहा है।



पुलिस मुख्यालय द्वार पर नए पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता का स्वागत करते हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री अजय चड्ढा



पुलिस मुख्यालय पहुँचने पर पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।



पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करते हुए नव नियुक्त पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता। साथ में पूर्व पुलिस आयुक्त श्री युद्धवीर सिंह डडवाल हैं।

पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने के बाद के पुलिस आयुक्त

01 जुलाई, 1978 को दिल्ली में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने पर श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता ने 17वें पुलिस आयुक्त के रूप में 10 नवम्बर, 2010 का पदभार ग्रहण किया।

क्र॰	आयुक्त का नाम	कब से कब तक
1.	श्री जे.एन. चतुर्वेदी (यू.पी.) –1951 अंतिम आई.जी. पुलिस एवं पहले पुलिस आयुक्त	अक्टूबर, 1977 से जनवरी, 1980
2.	श्री पी.एस. भिंडर (हरियाणा)–1958	जनवरी, 1980 से दिसम्बर, 1981
3.	श्री बजरंग लाल (राजस्थान)–1953	दिसम्बर, 1981 से अप्रैल, 1983
4.	श्री एस.सी. टंडन (राजस्थान)–1952	अप्रैल, 1983 से नवम्बर, 1984
5.	श्री एस.एस जोग (महाराष्ट्र)–1953	नवम्बर, 1984 से अप्रैल, 1985
6.	श्री वेद मारवाह (यूटी)–1956	अप्रैल, 1985 से अप्रैल, 1988
7.	श्री राजा विजय करण (यूटी)–1958	अप्रैल, 1988 से दिसम्बर, 1990
8.	श्री अरूण भगत (एग्मू)–1961	दिसम्बर, 1990 से फरवरी, 1992
9.	श्री एम.बी. कौशल (एग्मू)–1963	फरवरी, 1992 से जनवरी, 1995
10.	श्री निखिल कुमार (एग्मू)–1963	जनवरी, 1995 से मार्च, 1997
11.	श्री टी.आर. कक्कड़ (एग्मू)–1964	अप्रैल, 1997 से मई, 1998
12.	श्री वी.एन. सिंह (एग्मू)–1966	मई, 1998 से जून, 1999
13.	श्री अजयराज शर्मा (यूपी)–1966	जुलाई, 1999 से जून, 2002
14.	श्री आर.एस.गुप्ता (एग्मू)–1972	जुलाई, 2002 से फरवरी, 2004
15.	डॉ॰ के.के. पाल (एग्मू)–1972	फरवरी, 2004 से जुलाई, 2007
16.	श्री वाई.एस.डडवाल (एग्मू)–1972	26 जुलाई, 2007 से 10 नवम्बर, 2010
17.	श्री बी.के. गुप्ता (एग्मू)–1975	10 नवम्बर, 2010 को पदभार ग्रहण

पूर्व पुलिस आयुक्त श्री वाई.एस. डडवाल को गरिमापूर्ण विदाई

10 नवम्बर, 2010 की प्रातः किग्ज़वे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन ग्राउंड में पूर्व पुलिस आयुक्त श्री युद्धवीर सिंह डडवाल के सम्मान में एक भव्य विदाई परेड का आयोजन किया गया। इस विदाई परेड के मौके पर भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व मीडियाकर्मी भी उपस्थित थे। परेड की सलामी लेते हुए श्री डडवाल ने दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों एवं जवानों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान उनका शानदार सहयोग मिला।



विदाई परेड का निरीक्षण करते हुए पूर्व पुलिस आयुक्त



पुलिस मुख्यालय द्वार पर पूर्व पुलिस आयुक्त को विदाई देते हुए

उन्होंने कहा कि 26 जुलाई, 2007 को पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने से पहले उनका दिल्ली पुलिस में कार्य करने का लम्बा अनुभव रहा था। लम्बे अनुभव और रचनात्मक सहयोग की वजह से ही दिल्ली पुलिस ने नई बुलंदियों को छुआ है। राष्ट्रमंडल खेलों की सुरक्षा–व्यवस्था इसका तरो–ताजा उदाहरण है। जिस तरह दिल्ली पुलिस ने अपने कर्त्तव्य को निभाया, वह लम्बे समय तक लिखा और कहा जाता रहेगा। उन्होंने दिल्ली की जनता का तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि जनता ने यातायात अनुशासित रखने और हमारी आँख व कान जैसी प्रभावशाली योजना में प्रशंसनीय ढंग से अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

श्री डडवाल ने कहा कि उन्होंने अपने तीन वर्ष व चार माह के कार्यकाल के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के कल्याणार्थ यथासंभव कदम उठाए जिसमें 22 हजार नई भर्तियाँ, 16 हजार से ज्यादा विभिन्न पदों पर पदोन्नतियाँ, अधिकांश स्टैंडिंग ऑर्डर्स में बदलाव, ट्रांसफर–पोस्टिंग में पारदर्शिता, समय पर एसीपी स्कीम को क्रियान्वित करने, हाउसिंग परिसर को बढाने व जनता व पुलिस के बीच की दूरी को पाटने जैसे महत्त्वपूर्ण कदम उठाये गये। 10 नवम्बर की प्रातः ही पुलिस मुख्यालय प्रांगण में नए पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया जबकि विशेष पुलिस आयुक्त श्री अजय चड्डा ने उनकी आगवानी की तथा गुलदस्ता भेंट कर मुख्य द्वार पर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् श्री बी.के. गुप्ता ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में आकर श्री वाई.एस. डडवाल से पदभार ग्रहण किया। पुलिस आयुक्त श्री बी.के.गुप्ता ने पूर्व पुलिस आयुक्त श्री डडवाल को विदा किया। भारी संख्या में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों व जवानों ने श्री डडवाल की कार को रस्सी से मुख्यालय के बाहरी द्वार तक खींच कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। इस मौके पर भारी संख्या में मीडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।



पूर्व पुलिस आयुक्त को परंपरागत तरीके से विदाई देते हुए

दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल का 21वाँ वार्षिक समारोह सम्पन्न







9 दिसम्बर की शाम सफदरगंज एन्केलव स्थित दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल ने अपना 21वाँ वार्षिकोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना मुख्य अतिथि थे। समारोह में पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता, विशेष पुलिस आयुक्त श्री शांति कुमार जैन, विशेष पुलिस आयुक्त श्री एन.एस. सिंधु, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री किशन कुमार, उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला श्री एच.जी.एस. धालीवाल, स्कूल प्रबंधन, अभिभावक एवं स्कूल बच्चे उपस्थित थे।

दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने "आइए गणपति जग वन्दन" गीत की प्रस्तुति के साथ साथ रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नारी सशक्तिकरण पर आधारित "अनन्या" की शानदार प्रस्तुति करते हुए नारी के करुणा, श्रृंगार व रौद्र रूप का मनमोहक मंचन किया। छात्र एवं छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत "झांसी की रानी" विषय पर नाटक तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि श्री तेजेन्द्र खन्ना व पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित करते हुए उपस्थित छात्र/छात्राओं एवं अभिभावकों को सम्बोधित किया। श्री गुप्ता ने कहा कि हमारे इस शैक्षिक संस्थान का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी में व्यस्त अपने कर्मियों के बच्चों को कम लागत में बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है। बीते दशकों में दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम किया है और भविष्य में इस स्कूल को बुनियादी तौर पर मजबूत बनाने के साथ–साथ और नए स्कूल खोलने के सकारात्मक कार्यों को अंजाम दिया जाएगा।

मुख्य अतिथि श्री खन्ना ने स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों को अपना जीवन सफल बनाने के लिए अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित होना चाहिए। अपने अन्दर छिपी योग्यता को पहचान कर उसे सही दिशा में आगे बढ़ाते हुए अपनी सीमा का मूल्यांकन खुद ही करना चाहिए।

10 नए पुलिस थानों का सृजन

दिल्ली में निरंतर बढ़ती आबादी, रिहायशी घनत्व व फैलते शहरीकरण को देखते हुए 10 नए पुलिस स्टेशनों का सृजन किया गया ताकि बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ पुलिस की उपलब्धता आम जनता से ज्यादा दूर न हो। नए पुलिस स्टेशन हैं: थाना **मधुबन** (सब डिवीजन प्रीत विहार), थाना **गाजीपुर** (सब–डिवीजन कल्याणपुरी), थाना **मुंडका** (सब–डिवीजन नांगलोई), थाना **मादीपुर** (सब–डिवीजन पंजाबी बाग), थाना **द्वारका साउथ** (सब–डिवीजन द्वारका), थाना **सागरपुर** (सब–डिवीजन डाबडी), थाना **बाबा हरिदास नगर** (सब–डिवीजन नजफगढ़), थाना **टाउन हाल** (सब–डिवीजन कोतवाली), थाना **मानसरोवर पार्क** (सब–डिवीजन शाहदरा) तथा थाना **जी.टी.बी. एन्क्लेव** (सब–डिवीजन सीमापुरी)।

पुराने पुलिस स्टेशन मानसरोवर पार्क को प्रशासनिक सुविधा और अधिकार क्षेत्र के हिसाब से **जीटीबी एन्क्लेव** थाने का नाम दिया गया है जबकि नए पुलिस स्टेशन **मानसरोवर पार्क** का अलग से अधिकार क्षेत्र निर्धारित किया है।

इसके अलावा पुलिस स्टेशन **धौला कुंआ** को दक्षिण–पश्चिमी जिला की सब–डिवीजन दिल्ली कैंट से हटाकर दक्षिणी जिला की सब–डिवीजन बंसत विहार के अधिकार क्षेत्र में रखा गया है।

10 नए पुलिस स्टेशन अस्तित्व में आने के बाद से दिल्ली पुलिस के 11 विभिन्न जिलों मे पुलिस स्टेशनों की संख्या **156 से बढ़कर 165** हो गई है। इसके अलावा बिना सीमा क्षेत्र के **15 अन्य** पुलिस स्टेशन हैं जिनमें आर्थिक अपराध शाखा, अपराध शाखा, आई. जी.आई. एयरपोर्ट के अलावा रेलवे व मैट्रो के सभी पुलिस स्टेशन शामिल हैं।

सी.ए.डब्ल्यू. सैल (क्राइम एगेंस्ट वूमैन सैल) का नाम बदल कर **एस.पी.यू. डब्ल्यू एंड सी** यानि (स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर वूमैन एंड चिल्ड्रन) कर दिया गया है।

366 प्रशिक्षित उप–निरीक्षक पुलिस परिवार में शामिल

20 नवम्बर, 2010 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में आयोजित एक दीक्षांत समारोह में शपथ ग्रहण कर 366 प्रशिक्षु उप–निरीक्षकों का 34वां बैच पुलिस परिवार में शामिल हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने परेड की सलामी ली और संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री एस.एन. श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उन्हें परेड निरीक्षण के लिए आमत्रित किया। इस अवसर पर भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व जवानों के अलावा पासआउट होने वाले प्रशिक्षुओं के परिजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिस व जनता के संबंध मजबूत एवं पारदर्शी होने चाहिए जिससे लोग निःसंकोच होकर अपनी मदद के लिए पुलिस के पास आ सकें। आम आदमी को विश्वास हो कि पुलिस उसकी बात को मर्यादित तरीके से सुनेगी और उस पर अमल भी करेगी। ऐसा करना प्रत्येक पुलिसकर्मी की ड्यूटी ही नहीं बल्कि उसका नैतिक कर्त्तव्य है। उन्होंने कहा कि पासआउट होने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों को आज की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिकतम तकनीकि व शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया है जो फील्ड ड्यूटी के दौरान उनके कर्त्तव्यपालन में बहुत ज्यादा प्रासंगिक व सहायक सिद्ध होगा।

मुख्य अतिथि महोदय ने प्रशिक्षु उप–निरीक्षक संदीप कुमार को सर्वश्रेष्ठ व इंडोर के लिए, प्रशिक्षु सुरेश कुमार को आउटडोर में प्रथम आने पर, प्रशिक्षु उप॰नि॰ रोहित कुमार को कमांडो प्रशिक्षण में प्रथम आने पर तथा प्रशिक्षु उप॰नि॰ नितेश सिंह को फायरिंग में प्रथम आने पर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसी मौके पर पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने एक सीडी "स्टडी मैटीरियल फॉर पुलिस ऑफिसर" भी रिलीज की। लगभग 10 हजार पृष्ठों वाली इस सीडी में पुलिस विज्ञान, फोरेंसिक साइंस, कम्प्यूटर, संस्थान एवं प्रबंधन, व्यवहारकुशलता, लीडरशीप एवं सुपरवीजन, लीगल एक्ट, स्टैंडिंग ऑर्डर्स तथा दिल्ली पुलिस से संबंधित विभिन्न प्रकार के फार्म इत्यादि का विस्तृत उल्लेख है। यह सीडी पासआउट होने वाले सभी प्रशिक्षु उप–निरीक्षकों को उपलब्ध कराई गई है। 366 उप–निरीक्षकों के इस बैच में 57 पोस्ट–ग्रेजुएट, लॉ ग्रेजुएट तथा एम.बी.ए. तक उच्च शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षु शामिल थे।



पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करते हुए पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता



सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त एवं साथ में संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.एन. श्रीवास्तव



वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उप–निरीक्षकों के 34वें बैच के सम्मानित प्रशिक्षणार्थी



स्टडी मैटीरियल फॉर पुलिस ऑफिसर्स नामक सीडी का विमोचन करते हुए

अच्छी तफ्तीश – अच्छी कामयाबी

20 लाख की फिरौती हेतु अपहृत पुजारी सकुशल बरामद

उत्तरी जिला के एसीपी कोतवाली डॉ॰ राजीव शर्मा के नेतृत्त्व में सिविल लाइन थानाध्यक्ष **अनिल कपूर की देखरेख में इंस्पेक्टर राकेश कुमार, एसआई राकेश खारी, एसआई भूपेन्द्र, एएसआई हरपाल, हैडकां॰ सुभाष, हैडकां॰ सुरजीत, हैडकां॰ सुशील, कां॰ धमेन्द्र, कां॰ दयानन्द, कां॰ महीलाल व महिला कां॰ वरोनिका** की टीम ने पंजाबी बस्ती, मजनूं का टीला से 26 अक्टूबर, 2010 को अपहृत ओमप्रकाश नामक एक पुजारी को चम्बल घाटी के बीहड़ों से सकुशल बरामद कर शानदार कार्यकुशलता का परिचय दिया है। 5 नवम्बर, 2010 को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार चारों अभियुक्तों ने फिरौती की रकम के लिए धमकी देते हुए अपहृत ओमप्रकाश की पत्नी को धमकी दी थी कि यदि पुलिस को सूचित किया गया तो उसे मार दिया जाएगा और रकम धौलपुर, राजस्थान में भिजवा दें। इन्हीं अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि नीरज नामक व्यक्ति को अंदाजा था कि अपहृत ओमप्रकाश के पास दिल्ली, आगरा, फिरोजाबाद आदि में काफी धन–सम्पत्ति है इसीलिए उसी ने अपहरण का षड्यंत्र रचा और पूजा का बहाना बनाकर पुजारी ओमप्रकाश को मुरैना, मध्यप्रदेश ले गया था। पुलिस टीम द्वारा प्राप्त कामयाबी की वरिष्ठ अधिकारियों ने ही नहीं अपितु पंजाबी बस्ती में रहने वाले निवासियों ने भी प्रशंसा की।

बदमाशों को हथियार सप्लाई करने वाली छात्रा अपने साथी सहित गिरफ्तार

स्पेशल सेल के **एसीपी भीष्म सिंह** के नेतृत्त्व में **इंस्पेक्टर विवेक त्यागी** की टीम ने 11 नवम्बर को बृजपुरी इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट से मुस्तफाबाद, दिल्ली निवासी जैनब निशा (20) तथा फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी अभियुक्त रियाज मोहम्मद उर्फ पप्पू (42) को दबोच कर उनके कब्जे से .32 बोर की चार ऑटोमेटिक पिस्टल बरामद करने में सफल हुई है। इस संबंध में **अति॰उपा॰पु॰ श्री शिवेश सिंह** ने संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक गिरोह युवतियों का इस्तेमाल कर बदमाशों को हथियार सप्लाई कर रहा है। पूछताछ पर ज्ञात हुआ है कि जैनब व रियाज उत्तर प्रदेश, बिहार व झारखंड से सस्ती दरों से अभी तक करीब 10 अवैध हथियारों की तस्करी कर उन्हें दिल्ली व आसपास के इलाकों में बदमाशों को उँचे दामों पर बेच चुके हैं। 12वीं कक्षा की छात्रा मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव की तरह ड्रेस पहन कर हथियारों को जूते के डिब्बों में कार्बन में लपेटकर (कार्बन नॉन–मेटेलिक होता है इसीलिए उसमें लिपटे मेटल को साधारण मशीनें नहीं पकड़ पाती) ले जाती थी। जैनब निशा व रियाज दोनों साथ–साथ होने पर पुलिस आसानी से उन पर संदेह भी नहीं करती थी। इस मामले अभियुक्त के कुछ रिश्तेदारों के जुड़े होने की पुष्टि पुलिस टीम कर रही है।

कबूतरबाज गिरोह का पर्दाफाश

बाहरी जिला के स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर पूरन पंत, संजय, एएसआई सुरेन्द्र, दीपक मलिक, हैडकां॰ नरेश त्यागी, जगदीश, नरेश तथा कां॰ रमेश व प्रवीण की टीम ने अमेरिका ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कोरिया, अफगानिस्तान व सीरिया जैसे देशों के फर्जी वीजा, नकली वीजा स्टीकर तथा 35 पासपोर्ट जब्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उत्कृष्ट तफ्तीश का परिचय दिया है । इस संबंध में बाहरी जिला की उपायुक्त पुलिस श्रीमती छाया शर्मा ने सवांददाताओं को विस्तार से बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि रोहिणी इलाके में मानव तस्करी का एक बड़ा रैकेट चल रहा है। पुलिस टीम ने सूचनाएँ एकत्रित करते हुए सैक्टर–16, रोहिणी इलाके से एक व्यक्ति को पकड़कर उसके कब्जे से नकली ड्राइविंग लाइसेंस, फर्जी वीजा व दो पासपोर्ट बरामद किये। उसी की निशानदेही पर दो अन्य लोगों को गिरफ्तार कर फर्जी ट्रैवल डॉक्यूमेंट, ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाले उपकरण, कीमती प्रोमिसरी नोट, विभिन्न देशों के प्रिंट किये नकली वीजा, होलोग्राम व ब्लू प्रिंट, दर्जनों रबड़ स्टांप व ड्राई डाई स्टांप आदि बरामद करने में बेहतरीन सफलता मिली।

सतर्क पीसीआर स्टाफ ने सरकारी जिप्सी चोरी करने वाले नाबालिग को दबोचा

19 नवम्बर की रात अलीपुर इलाके में स्थित क्लाउड फार्म हाउस में आयोजित एक शादी–समारोह में शामिल होने वाले एक मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी की सरकारी जिप्सी चोरी हो गई। पीसीआर में कॉल किये जाने पर पीसीआर कमांड रूम ने मैसेज फ्लैश कर पीसीआर गाड़ियों को सतर्क किया। रात्रि लगभग 1:30 बजे पीसीआर की गाड़ी पर तैनात स्टाफ ने औचंदी बॉर्डर के निकट स्थित नशा मुक्ति केन्द्र के पास उक्त सरकारी जिप्सी को बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की। जिप्सी पर लाल बत्ती व दिल्ली विधानसभा के स्टीकर लगे होने से किसी अनहोनी का अंदेशा बना हुआ था। पीसीआर वैन पर तैनात सतर्क स्टाफ ने जिप्सी चला रहे 11वीं कक्षा के छात्र गाँव अलीपुर निवासी इस नाबालिग को अलीपुर पुलिस के हवाले कर दिया।

मात्र दो हजार के नुकसान पर बम की झूठी कॉल कर दी

14 अक्टूबर को राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह के कारण मंडी बंद होने से गांव–दिचांऊ निवासी प्रदीप कुमार (26) नामक युवक की सब्जी मंडी में नहीं बिक सकी और उसका दो हजार रुपये का नुकसान हो गया। इसी बात से कुंठित होकर प्रदीप ने पुलिस को परेशान करने के उद्देश्य से शाम लगभग 5 बजे पीसीआर में टेलीफोन कर धमकी दी किसी भी स्टेडियम में कभी भी बम फट सकता है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन आधुनिक उपकरणों की मदद से अभियुक्त तक पहुँच गई और उसे इन्फोमेशन एंड टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66–ए के तहत गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़

पश्चिमी जिला के थाना उत्तम नगर थानाध्यक्ष जयकिशन गौतम, एस.आई. रामपाल, सुनील, हैडकां॰ कृष्ण तथा कां॰ नंदकिशोर की टीम ने रामा पार्क इलाके में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अभियुक्तों के कब्जे से नकली नोट, डाई, सुनहरी धागे, टिश्यू पेपर, पेपर कटर, स्याही, प्रिंटर व स्कैनर जैसी छपाई की सामग्री बरामद करने में शानदार सफलता पाई। 10, 20, 50 तथा 100 रुपये मूल्य के नकली नोट छापने वाले इस गिरोह के एक सदस्य धर्मेन्द्र को मौके से ही दबोचने में सफलता मिली जबकि गिरोह सरगना की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश कर रही थी।

सनसनीखेज व सूत्रहीन धौला कुँआ बलात्कार मामला सुलझाने में शानदार सफलता, अभियुक्त गिरफ्तार और अपराध प्रयुक्त वाहन भी बरामद।

24 नवम्बर की मध्य रात्रि धौला कुँआ इलाके में बी.पी.ओ. में काम करने वाली मिजोरम की एक लड़की के साथ हुई सामूहिक बलात्कार की वारदात को सुलझाने में दक्षिण जिला पुलिस ने एक बार पुनः अपनी उत्कृष्ट पेशेवर जाँच प्रणाली और कर्त्तव्य के प्रति समर्पित अपनी निष्ठा भावना का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। इस सूत्रहीन बलात्कार कांड को सुलझाने के लिए दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर जवानों तक में मानसिक दबाव साफ महसूस किया जा रहा था। यही कारण रहा कि इस ब्लांइड केस को सुलझाने के लिए लगभग 400 पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की टीम के दिन–रात अथक मेहनत करने के अलावा हर तकनीक का सहारा लिया और अंततः 1 दिसम्बर को इस सनसनीखेज मामले को सुलझाने में दिल्ली पुलिस सफल हुई। इस घटनाक्रम के संबंध में स्वयं पुलिस **आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता** ने संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए बताया कि **दक्षिणी जिला उपायुक्त पुलिस श्री हरगोविन्द सिंह धालीवाल** की टीम ने जिस कर्त्तव्यनिष्ठा, निर्भीकता, सजगता और पेशेवर निपुणता के साथ काम किया है वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। वैसे भी यह सूत्रहीन बलात्कार मामला दिल्ली पुलिस के लिए एक चुनौती बन गया था।

घटना वाली रात 5 अभियुक्तों शमशाद उर्फ खटकन, उस्मान उर्फ काले, शाहिद उर्फ छोटा बिल्ली, कमरू उर्फ मोबाइल तथा इकबाल उर्फ बड़ा बिल्ली ने मोची गाँव के निकट से एक मिनी टैम्पो में पीड़ित महिला को जबरन डाल लिया और धौला कुँआ से मंगोलपुरी की तरफ जाते समय उसके साथ सामूहिक बलात्कार करके मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के निकट छोड़ दिया। नॉर्थ–ईस्ट की रहने वाली इस पीड़ित लड़की से भाषाशैली की समस्या के कारण अभियुक्तों के बारे में कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया था।

इस अति संवेदनशील मामले को सुलझाने के लिए दिल्ली पुलिस की लगभग 15 टीमों ने वारदात को डी.के. नाम देते हुए सुलझाने के लिए दिन–रात एक कर दिया। पुलिस टीम को मात्र एक सुराग मिला कि अपराध में प्रयुक्त टैम्पो की कंडक्टर सीट के तरफ 'मुस्कान' लिखा हुआ था। इस क्रम में पुलिस टीमों ने लगभग 6 हजार से ज्यादा ऐसे टैम्पुओं की जाँच की। दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद लगभग 200 अपराधियों को चिन्हित किया गया, 400 से ज्यादा वेंडरों से पूछताछ के अलावा 100 से ज्यादा अपराधियों की पिछली गतिविधियों के बारे में पता लगाया। पुलिस टीमों को जॉच के दौरान इस बात का आभास हो गया था कि वारदात में मेवात की तरफ रहने वाले वाहन चोरों या पशु चोरों का हाथ हो सकता है। पुलिस टीम इसी दिशा में आगे बढ़ रही थी कि हैडकां. इस्लामुद्दीन ने जाँच को नई दिशा दी और अंततः पुलिस टीम दो अभियुक्तों शमशाद उर्फ खटकन और उस्मान उर्फ काले को मेवात के धौज गाँव से गिरफ्तार करने और अपराध में प्रयुक्त वाहन को टैनी गाँव से बरामद करने में सफल रही। बाद में पुलिस टीम ने फरार तीन अन्य अभियुक्तों को छापेमारी कर अलग–अलग जगहों से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। गिरफ्तार अभियुक्त पहले भी फरीदाबाद में हुए बलात्कार व गौकशी जैसी वारदातों में शामिल बताये गये हैं। इस वारदात के सुलझाने पर दिल्ली की आवाम ने दिल्ली पुलिस की प्रशंसा की।



संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता एवं दक्षिणी जिला के उपायुक्त पुलिस श्री हरगोविंद सिंह धालीवाल

लगभग 100 से ज्यादा घरों में डकैती की वारदात में शामिल कुख्यात डकैत जोगेन्द्र उर्फ जोगा गिरफ्तार

पूर्वी जिला के एसीपी श्री डी.एल. नेगी के नेतृत्त्व में स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर राकेश दीक्षित की टीम एस आई विनय यादव, सतेन्द्र खारी, लव आत्रे, एएसआई सतपाल, हैडकां. धर्मेन्द्र, प्रवीण कुमार, सरमोहर, सुदेशपाल, मनोज कुमार, उमेश, विरेन्द्र, नाजीर तथा कां. जितेन्द्र, इशहाक, श्याम सिंह, रूप सिंह, सुनील प्रवीण, शत्रुघ्न, यशपाल सिंह, राजबीर, तहजीब तथा लोकेन्द्र की टीम ने दिल्ली व आसपास के क्षेत्र में सैकड़ों आपराधिक वारदातों में शामिल कुख्यात गिरोह सरगना 39 वर्षीय जोगेन्द्र उर्फ जोगा उर्फ मोटा को 26 नवम्बर की रात शाहदरा इलाके से गिरफ्तार करने में भारी सफलता मिली है। इस इनामी बदमाश की गिरफ्तारी से दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज लगभग 22 मामले सुलझाने में मदद मिली है। खुद बाइक पर हेल्मैट पहन कर तथा सहयोगी बदमाश लग्जरी गाड़ियों में वारदातों को अंजाम देने वाला जोगा गिरोह के सदस्य 100 से ज्यादा आपराधिक वारदातों में संलिप्त थे। गिरोह सरगना बदमाश जोगेन्द्र अकेला ही 33 आपराधिक वारदातों में शामिल रहा है। जोगेन्द्र हरियाणा दिल्ली व उतर प्रदेश में दो दर्जन से ज्यादा डकैतियों, कार जैकिंग और हत्या की वारदातों में शामिल था और ज्यादातर हैल्मेट पहनकर निकलता था ताकि कोई मुखबिर, जेल के पुराने साथी या विभिन्न जिलों के स्पेशल स्टाफ का कोई पुलिसकर्मी उसे पहचान न ले। गिरफ्तारी के वक्त अभियुक्त के कब्जे से एक रिवॉल्वर, तीन लैपटॉप, एक एलसीडी पैनल और अच्छी स्तर की मोटरसाइकिल बरामद हुई। अभियुक्त का आपराधिक जीवन 1997 में उस समय शुरू हुआ जब उसने किसी मामूली बात पर सुल्तानपुरी के राजीव नगर इलाके में एक डॉक्टर की हत्या कर दी थी और जेल में बिरजू और भूरी गैंग के सम्पर्क में आया था। इस खतरनाक बदमाश की गिरफ्तारी को बड़ा अहम् माना जा रहा है क्योंकि इस अभियुक्त को पकड़ने के लिए अधिकांश जिलों के स्पेशल स्टाफ लगे हुए थे। पुलिस टीम के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भूरि–भूरि प्रंशसा की है।

अपनी कसौटी पर खरी उतरी दिल्ली पुलिस

3 से 14 अक्टूबर, 2010 को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों के महाकुंभ को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने में दिल्ली पुलिस के समस्त अधिकारियों एवं जवानों ने अपने दायित्व को जिस निष्ठा और अनुशासित तरीके से निभाया है, उसकी राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष श्री माइक फेनल, आयोजित समिति के अध्यक्ष श्री सुरेश कलमाड़ी, केन्द्रीय गृहमंत्री श्री पी. चिदम्बरम, उपराज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना व मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने समापन समारोह के दौरान भूरि–भूरि प्रशंसा की है। इसके साथ ही आम जनता ने भी दिल्ली पुलिस द्वारा किये गये अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों व बेहतरीन सुचारू यातायात व्यवस्था की सराहना की है।

राष्ट्रमंडल खेलों को निर्बाधित सम्पन्न कराने में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों व जवानों ने अपने उत्तरदायित्त्व को कर्त्तव्यनिष्ठा, शानदार पेशेवर निपुणता और परिपक्व तरीके से निभाया। दिल्ली पुलिस ने यह उपलब्धि कम से कम परेशानी में अधिकतम परिणाम हासिल करते हुए पायी क्योंकि इसके लिए दिल्ली पुलिस ने काफी समय पूर्व ही अपनी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करते हुए उन्हें समय पर कठोर तरीके से क्रियान्वित किया और सफल हुयी। दिल्ली पुलिस ने सर्वश्रेष्ठ पुलिसिंग के नए आयाम स्थापित किये हैं। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान आधुनिकीकरण के साथ–साथ अपनी बल–क्षमताओं की नई ऊँचाईयों को भी छुआ है। नई सुविधाओं और साजो–सामान से सुसज्जित होने पर इसका फायदा भविष्य में भी देखने को मिलेगा।

इसमें कोई संदेह नहीं कि दिल्ली पुलिस हर प्रकार की स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। परन्तु यह भी एक सत्य है कि पुलिस की सफलता जनता के सहयोग पर निर्भर करती है और उसके सहयोग के बिना पुलिस कभी भी अपने उद्देश्य की प्राप्ति सफलतापूर्वक नहीं कर सकती है। इन खेलों के सफलतापूर्वक संचालन में दिल्लीवासियों का अहम योगदान रहा है जिसके लिए जनता केवल प्रशंसा ही नहीं बल्कि एक बड़े श्रेय की हकदार भी है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद बनाए रखने के दौरान दिल्लीवासियों को यदा–कदा थोड़ी बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर भी इस दौरान उनकी सहनशीलता और बेहतरीन सहयोग देखने को मिली। दिल्ली पुलिस की 'आँख व कान योजना' काफी कारगर साबित हुई है। इस योजना से न केवल सुरक्षा तंत्र मजबूत हुआ है बल्कि पुलिस को कई अच्छी सफलताएँ भी मिली हैं इसीलिए इस पर निरंतर काम करने की जरूरत है।

राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान केवल खिलाड़ियों, अतिविशिष्ट मेहमानों और इससे जुड़े अधिकारियों व कर्मियों की सुरक्षा ही दिल्ली पुलिस के लिए चुनौती नहीं थी बल्कि इसके साथ आम जनता की सुरक्षा बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती थी जिसे दिल्ली पुलिस के जांबाज कर्मियों ने विनम्र व्यवहार, कठोर पुलिसिंग व अनुशासित रहते हुए बखूबी निभाया। इसका परिणाम यह हुआ कि खेलगाँव थाने में छोटी–मोटी घटनाओं के मात्र 9 मामले दर्ज हुए यानि स्पर्धा स्थलों पर कोई उल्लेखनीय घटना नहीं हुई। दिल्ली शहर में भी अपराध नियंत्रण में रहा और संगीन वारदातों में 46.4 प्रतिशत तथा साधारण दुर्घटनाओं के मामलों में 14 प्रतिशत की कमी आई है। मॉक ड्रिल व आपात स्थिति में संभावित खतरों से निपटने के तरीकों के अभ्यास ने भी मजबूती प्रदान की। सुरक्षा प्रबंधों के दौरान मिले प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों ने जिस व्यवहारिकता और दायित्त्वबोध का उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, उसी के परिणामस्वरूप अपराध नियंत्रित रहे और सुचारु यातायात का संचालन हुआ।

इसे कसौटी की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि राष्ट्रमंडल खेलों से निपटने के तत्काल बाद दिल्ली पुलिस रामलीलाओं, दशहरा और दुर्गापूजा जैसे त्यौहारों के सुरक्षा प्रबंधों मे व्यस्त हो गयी। पूरी दिल्ली में हजारों की संख्या में होने वाली रामलीलाओं, नवरात्रों के दौरान मन्दिरों में उमडती भीड़ और अतिविशिष्ठ व्यक्तियों के अतिथि के तौर पर शामिल होने पर सुरक्षा के इंतजाम भी शीर्षस्थ होते हैं। परन्तु इस दौरान भी पुलिसकर्मियों ने अपनी ड्यूटी को जिस सतर्कता और व्यवस्थित तरीके से निभाया है, वह दिल्लीवासियों द्वारा सराहा गया है।

कारगर साबित हुई रिजर्व ब्लू लेन

दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान खिलाड़ियों, खेल अधिकारियों अतिविशिष्ट मेहमानों आदि की गाड़ियों के आवागमन के लिए सुरक्षित रखी "चिन्हित् रिजर्व लेन" काफी कारगर साबित हुई। यातायात पुलिस के इस दूरदृष्टि वाले कदम की भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में काफी प्रशंसा हुई। इस संबंध में दिल्ली यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली की जनता का तहेदिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा प्रारंभिक दौर में कुछ ट्रैफिक जाम की आंशिक समस्या जरूर बनी परन्तु जल्द ही लोगों ने इस रिजर्व लेन की महत्ता को समझ लिया और स्थिति सामान्य हो गई। रिजर्व लेन का उल्लंघन करने पर 2 हजार रुपये के आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया था।

पहला पर्यटक पुलिस स्टेशन पहाड़गंज में

वर्ष 1947 में स्थापित वर्तमान पहाड़गंज पुलिस स्टेशन के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान पहाड़गंज इलाके में आने वाले पर्यटकों की संख्या को देखते हुए दिल्ली में पहला "पर्यटक पुलिस स्टेशन" खोला गया है। राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान विदेशी मेहमानों एवं खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। पुलिस पोस्ट संगतराशन को पुलिस स्टेशन पर्यटक (पहाड़गंज पूर्व) में परिवर्तित किया गया है। 1947 में स्वतन्त्रता के बाद स्थापित तीन बड़े पुलिस थानों में कोतवाली व सब्जी मंडी के अलावा पहाड़गज थाना भी शामिल था।

अति॰ आयुक्त पुलिस होंगे पुलिस नियंत्रण कक्ष के मुखिया

पुलिस नियंत्रण कक्ष की प्रशासनिक शाखा द्वारा जारी परिपत्र संख्या 27605–27730/प्रशा॰/ पीसीआर, दिनांक 29.09.2010 के अनुसार पीसीआर यूनिट के मुखिया अतिरिक्त आयुक्त पुलिस होंगे इसीलिए भविश्य में पीसीआर यूनिट से पत्राचार करते समय **उपायुक्त पुलिस/पुलिस नियंत्रण कक्ष** के स्थान पर **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस/पुलिस नियंत्रण कक्ष** का उपयोग करें।

पुलिस क्वार्टर अलॉटमेंट बोर्ड (PQAB) से संबंधित स्थायी आदेश 3–ए/2010

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र संख्या 13301–700/रिकार्ड ब्रांच, पुलिस मुख्यालय, दिल्ली दिनांक 19.10.2010 के अनुसार दिल्ली पुलिस के आवासीय क्वार्टर आवंटन से संबंधित स्थायी आदेश संख्या 3–ए/2010 के निरंतर सन्दर्भ में:– दिल्ली पुलिस में सभी प्रकार के क्वार्टरों के आवंटन या बदलने आदि के लिए **पुलिस क्वार्टर अलॉटमेंट बोर्ड** (PQAB) गठित किया गया है। जिसमें विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन), विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) तथा विशेष पुलिस आयुक्त (सतर्कता) शामिल हैं। सभी प्रकार के क्वार्टकों के आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी व कार्मिकों की जानकारी हेतु सुयोग्य बनाने के लिए स्थायी आदेश सं॰ 3 में कोई संशोधन करने, सुझाव देने या उसे जाँचने के लिए बोर्ड को स्वतत्रंता होगी। गठित बोर्ड पुलिस आयुक्त की पूर्व अनुमति से इस संबंध में क्रियाशील वेबसाइट की जाँच व आवश्यक बदलाव भी कर सकता है।

बीट व्यवस्था और मजबूत होगी

पुलिस कार्यप्रणाली में बीट व्यवस्था को रीढ़ समझा जाता है। इसी व्यवस्था को और ज्यादा कारगर और प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से नया बीट सिस्टम शुरू किया जा रहा है। इस नए सिस्टम के तहत सभी थानों के बीट हवलदारों या सिपाहियों को कम से कम अपने अधिकार क्षेत्र के कार जैकर्स, लुटेरों, चैन स्नेचरों व वाहन चोरों पर विशेष नजर रखनी होगी। थानाध्यक्ष, डिवीजन अफसर या अन्य संबंधित स्टाफ उनकी अलग से सूची बनाएगा। उनके द्वारा ऐसे बदमाशों के यहाँ किये गये दौरों का भी अभिलेख रखना होगा। ऐसे बदमाशों को पकड़ने की प्रक्रिया में बदलाव लाते हुए अपने कार्य को ऐसे अंजाम देना होगा जिससे सामान की बरामदगी भी हो सके। पूरे जिले में कितने बदमाश पकड़े गए उसकी जानकारी भी वरिष्ठ अधिकारियों को देनी होगी।

पुलिस स्मृति दिवस पर बिछुड़े साथियों का स्मरण किया

ड्यूटी के दौरान कर्त्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले साथियों की याद में 21, अक्टूबर, 2010 की प्रातः नई पुलिस लाईन, मैदान में एक शोक परेड का आयोजन किया गया। इस मौके पर अपने प्राणों की आहुति देकर वीरगति को प्राप्त होने वाले साथियों को नमन करते हुए उनकी याद में दो मिनट का मौन धारण किया। इस दिन को सभी केन्द्रीय पुलिस संगठनों एवं राज्यों की पुलिस द्वारा शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।



विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री नीरज कुमार ने "शहीदी पुस्तिका" से अर्द्धसैनिक पुलिस संगठनों एवं राज्यों की पुलिस के शहीदों की संख्या व नामों का पढ़ा। श्री नीरज कुमार की अगुवाई में "शहीदी पुस्तिका" को पुलिस स्मारक स्थल पर रखा गया। इस अवसर पर एसएसबी के डीजीपी श्री एम.वी. कृष्ण राव, पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ॰ के.के. पाल (सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग), श्री सुभाष टंडन, श्री एम.बी. कौशल, श्री टी.आर. कक्कड़, श्री अजयराज शर्मा के साथ–साथ दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी संवेदना प्रकट की। हर रैंक के एक–एक पुलिस अधिकारी एवं जवान ने अपने–अपने साथियों की तरफ से दिवंगतों को पुष्पाजंलि अर्पित की।



इस वर्ष देशभर में कुल 797 पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने ड्यूटी के दौरान अपने प्राण न्यौछावर कर अन्य सहयोगियों के समक्ष बलिदान का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस वर्ष शहीद होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की संख्या इस प्रकार है:– अंडमान एंड निकोबार आइसलैंड (02) आन्ध्र प्रदेश (05), अरुणाचल प्रदेश (01), असम (08), बिहार (16), छत्तीसगढ़ (21), हरियाणा (04), जम्मू एंड कश्मीर (49), झारखंड (43), कर्नाटक (09), केरला (02), मध्य प्रदेश (08), मणिपुर (10), नागालैंड (05), उड़ीसा (25), पंजाब (57), राजस्थान (01), तमिलनाडु (12), त्रिपुरा (05), उत्तर प्रदेश (99), उत्तराखंड (18), महाराष्ट्र (18), पश्चिमी बंगाल (48), बी.एस.एफ. (64), सीआईएसएफ (08), सीआरपीएफ (191), आईटीबीपी (06), आरपीएफ (18), एसएसबी (29), एनएसजी (05) तथा गृहमंत्रालय का 1 कर्मी शामिल है जबकि इस वर्श दिल्ली पुलिस के 9 शहीद पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:– एसआई प्रकाश चंद्र, एएसआई अशोक कुमार, हैडकांस्टेबल टी.पी. इलियास, हैडकांस्टेबल ईश्वर सिंह, हैडकांस्टेबल राजबीर सिंह, कांस्टेबल दिनेश कुमार, कांस्टेबल घनश्याम, कांस्टेबल यशपाल सिंह तथा कांस्टेबल पवन पाल सिंह।



21 अक्टूबर, 1959 को भारतीय पुलिस बल की एक टुकड़ी लद्दाख क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा के लिए तैनात की गई थी। वहीं एक पहाड़ी पर छिपे चीनी सैनिकों ने घात लगाकर भारतीय टुकड़ी पर हमला कर दिया। छद्म रूप से किये गये उस हमले में हमारे 10 जवान लड़ते हुए मातृभूमि की रक्षा करते वीरगति को प्राप्त हो गये। तब से ही सभी केन्द्रीय पुलिस संगठनों व राज्यों की पुलिस में 21 अक्टूबर का दिन शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और अपने उन अनगिनत शहीद पुलिसकर्मियों का स्मरण करते हैं।

स्थानांतरण

6 नवम्बर, 2010 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार श्री ए. के. सिंह को उपायुक्त पुलिस (सिब्बन्दी) से उपायुक्त पुलिस एसपीयू डब्ल्यू एंड सी तथा श्री ईश्वर सिंह अति॰उपा॰पु॰ सुप्रीम कोर्ट सुरक्षा से अति॰उपा॰पु॰ (सिब्बन्दी, पु॰मु॰) स्थानांतरित किया गया है।

8 नवम्बर, 2010 को जारी आदेशानुसार **श्री ओ.पी. मिश्रा** को उपायुक्त पुलिस आई.जी.आई. एयरपोर्ट से अति॰ उपायुक्त पुलिस (1) दक्षिण–पूर्वी जिला तथा **श्री आर.ए. संजीव** एस.ओ. टू सीपी से उपायुक्त पुलिस आई.जी.आई एयरपोर्ट स्थानांतरित किया गया है।

मध्य जिला के अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस **श्री जगजीत सिंह देशवाल** को पुलिस आयुक्त दिल्ली का स्टाफ ऑफिसर नियुक्त किया गया है। जबकि एसीपी अशोक महाना को एसीपी/सीआरओ तैनात किया गया है।

12 व 15 नवम्बर, 2010 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानांतरित/तैनात किया गया है।

श्री अजय चड्डा (एग्मू–77) विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) से विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) के अलावा विशेष पुलिस आयुक्त, यातायात का अतिरिक्त प्रभार भी देखेंगे।

श्रीमती विमला मेहरा (एग्मू–78) को मिजोरम से स्थानांतरित होने पर विशेष पुलिस आयुक्त, (सुरक्षा)

श्री दीपक मिश्रा (एग्मू–84) दिल्ली स्थानांतरित होने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (परिचालन)

श्री सुधीर यादव (एग्मू–85) संयुक्त पुलिस आयुक्त,एस.पी.यू.डब्ल्यू. एंड सी से संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय)

श्री टी.एन. मोहन (एग्मू–86) दिल्ली मैट्रो रेल कॉरपोरेशन से वापिस आने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (पी. एंड आई.)

श्री अशोक चांद (एग्मू–98) उपायुक्त पुलिस भर्ती प्रकोश्ठ से उपायुक्त पुलिस (अपराध).

सुश्री मीनू चौधरी (एग्मू–2000) अति॰ उपायुक्त पुलिस, मध्य जिला–1 से उपायुक्त पुलिस (उत्तर–पश्चिमी जिला).

श्री हरेन्द्र कुमार सिंह (दानिप्स–97) अति॰ उपायुक्त पुलिस लैंड एंड बिल्डिंग से अति॰उपा॰पु॰ (मध्य जिला–11)

श्री एस.डी. मिश्रा (दानिप्स–93) अति॰उपा॰पु॰ पी एंड एल से अति॰उपा॰पु॰ (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)

19 नवम्बर को उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री नीरज कुमार को महानिदेशक (दिल्ली जेल) नियुक्त किया गया है।

2 दिसम्बर, 2010 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार अधोलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पदोन्नत्ति एवं स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं।

श्री मोहम्मद ताज हसन (आईपीएस–87) संयुक्त आयुक्त पुलिस से संयुक्त आयुक्त पुलिस (पी.एम. सुरक्षा)

श्री संदीप गोयल (आईपीएस–89) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस लाइसेंसिंग से पदोन्नति के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध)

श्री एम.के. मीणा (आईपीएस–89) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस से पदोन्नति के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा)

श्री आर.एस. कृष्णैया (आईपीएस–89) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस दक्षिण–पश्चिम से पदोन्नति के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल)

श्री केवल सिंह (आईपीएस–89) अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पीसीआर) से पदोन्नति के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (पीएचक्यू)

श्री जसपाल सिंह (आईपीएस–96) उपायुक्त पुलिस मध्य जिला से पदोन्नति के बाद अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सुरक्षा)

श्री जी.सी. द्विवेदी (आईपीएस–96) उपायुक्त पुलिस आई आर बटालियन से पदोन्नति के बाद अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (पीसीआर)

श्री आर.के. शर्मा (आईपीएस–94) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सुरक्षा) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सशस्त्र पुलिस)

श्री यू.के. चौधरी (आईपीएस–96) उपायुक्त पुलिस सुरक्षा से पदोन्नति के बाद अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (आई.आर बटालियन)

श्री मधुप तिवारी (आईपीएस–95) से अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (लाइसेंसिंग)

श्री ऋषिपाल (दानिप्स–92) अति. उपा.पु.–I पश्चिमी जिला

श्री परवेज अहमद (दानिप्स–91) अति.उपा.पु.–II दक्षिण–पश्चिमी जिला से अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस–I

श्री रूपेन्द्र कुमार (दानिप्स–86) उपायुक्त पुलिस (यातायात मध्य परिक्षेत्र) से अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस–I उत्तरी जिला

श्री संजय कुमार त्यागी (दानिप्स–94) अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस अपराध से उपायुक्त पुलिस (यातायात मध्य परिक्षेत्र)

श्री ब्रिजेश कुमार (दानिप्स–87) अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस/पीसीआर से अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस –I उत्तरी–पूर्वी जिला

श्री संजय भाटिया (दानिप्स–96) अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस स्पेशल ब्रांच से अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस (अपराध)

श्री अरुण कंपानी (आईपीएस–2007) उपायुक्त पुलिस 7वीं वाहिनी से उपायुक्त पुलिस (स्पेशल सेल)

श्री शिबेश सिंह (दानिप्स–93) अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस स्पेशल सेल से अतिरिक्त उपायुक्त –II दक्षिणी–पश्चिमी जिला।

6 दिसम्बर को पुलिस मुख्यालय द्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए।

श्री टी.एन. मोहन (आईपीएस–86) संयुक्त पुलिस आयुक्त (पी. एंड आई.) से संयुक्त पुलिस आयुक्त (एम.डी.–दिल्ली पुलिस हाउसिंग कोऑपरेशन बोर्ड तथा पी. एंड आई. दोनों)

सुश्री गरिमा भटनागर (आईपीएस–94) अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एस.पी.यू.डब्ल्यू. एंड सी.) से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (सतर्कता)

श्री के.सी. द्विवेदी (आईपीएस–94) अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी जिला) से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली)

श्री वी. रंगनाथन (आईपीएस–97) उपायुक्त पुलिस (सतर्कता) से उपायुक्त पुलिस (पश्चिमी जिला)

श्री शरद अग्रवाल (आईपीएस–97) उपायुक्त पुलिस (पश्चिमी जिला) से उपायुक्त पुलिस (दक्षिण–पूर्वी जिला)

श्री विवेक कुमार (आईपीएस–99) उपायुक्त पुलिस (विशेष शाखा) से उपायुक्त पुलिस (मध्य जिला)

श्री ए.के. सिंह (आईपीएस–99) उपायुक्त पुलिस (एस.पी.यू.डब्ल्यू. एंड सी.) से उपायुक्त पुलिस (विशेष शाखा)

सुश्री आई.बी. रानी (आईपीएस–2000) अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस–I (पूर्वी जिला) से उपायुक्त पुलिस (पूर्वी जिला)

श्री आरिफ मोहम्मद अली (दानिप्स–95) अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) से अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस (एस.पी.यू. डब्ल्यू. एंड सी.)

सेवानिवृत्ति



30 नवम्बर को सेवानिवृत्त हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री मंसूर अली सैय्यद को स्मृतिचिन्ह भेंट करते हुए पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता

सितम्बर माह के दौरान 41 पुलिस अधिकारी व कर्मी सेवानिवृत्त हुए। इनमें से 10 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। एसीपी श्री श्रीमती सावित्री शर्मा (पीसीआर); उप–निरीक्षक उमेद सिंह, कैलाश चन्द, सहायक उप–निरीक्षक महावीर सिंह, सहायक उप–निरीक्ष बलराज हुड्डा, प्रधान सिपाही रामानन्द सिंह, एसीपी श्री टीका राम मीना (यातयात); निरीक्षक सुभाश चन्द्र आहुजा (सुरक्षा शाखा); उप–निरीक्षक सूरत सिंह, प्रधान सिपाही ढालू राम, स्वीपर प्रताप सिंह, निरीक्षक बिक्षल बैडिंग (विशेष शाखा); सहायक उप–निरीक्षक सुभाश चन्द, निरीक्षक भंवरी सिंह (पूर्वी जिला); निरीक्षक राकेश गिरी (तृतीय वाहिनी); प्रधान सिपाही महावीर सिंह, निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा (आउटर जिला); उप–निरीक्षक सत्यनारायण व उप–निरीक्षक रामचन्द्र (एफआरआरओ); उप–निरीक्षक नरोत्तम राम (पश्चिमी जिला); उप–निरीक्षक तारुकाटिल नारायणन, उप–निरीक्षक मो॰ आफताब (दक्षिणी जिला); उप–निरीक्षक अशोक कुमार व उप–निरीक्षक बृजमोहन (क्राईम एण्ड रेलवे); सहायक उप–निरीक्षक रामपाल सिंह व प्रधान सिपाही भागीरथी सिंह (पूर्वी जिला); प्रधान सिपाही लिंग्पा गोंडी (नई दिल्ली जिला); प्रधान सिपाही आजाद सिंह (उत्तर–पश्चिम जिला); सिपाही सम्पत उत्तम यादव (राष्ट्रपति भवन); उप॰नि॰ गणेश चौधरी, उप॰नि॰ राजेन्द्र सिंह, उप॰नि॰ सतीश चन्द्र (संचार शाखा); उप॰नि॰ राजबीर सिंह (उत्तरी जिला); उप॰नि॰ राजकुमार (सतर्कता शाखा); उप॰नि॰ रघुबीर सिंह, उप॰नि॰ बनवारी लाल (सातवीं वाहिनी); प्र॰सि॰ ताराचन्द्र, प्र॰सि॰ रामेश कुमार (प्रथम वाहिनी); सि॰ विजयंत सिंह, का॰ विनोद कुमार (मध्य जिला); सि. सुभाश चन्द (दक्षिण जिला)।

पूर्व पुलिस आयु॰ श्री निखिल कुमार द्वारा प्रशंसा

15 अक्टूबर, 2010 को कोहिमा से प्रेषित अपने पत्र में नागालैंड के राज्यपाल और दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त श्री निखिल कुमार ने दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मियों की प्रशंसा की है। उन्होंने तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री वाई.एस. डडवाल को पत्र लिख कर राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किये गये प्रशंसनीय सुरक्षा प्रबंधों की सराहना की है। राष्ट्रमंडल खेलों को बिना किसी हादसे के शांतिपूर्वक सम्पन्न कराना दिल्ली पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है। यह सब दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा अतिसावधानीपूर्वक बनाई गई योजना और कठोर परिश्रम का प्रतिफल है।

श्रृद्धांजलि

सितम्बर व अक्टूबर माह के दौरान विभिन्न पदों के पुलिसकर्मी सेवाकाल के दौरान ही पुलिस परिवार से बिछुड़ गये हैं। असमय बिछुड़े अपने इन साथियों के आश्रितों के प्रति पुलिस परिवार अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सितम्बर माह के दौरान दिवंगत साथी..... एसआई महेन्द्र सिंह (प्रथम वाहिनी), एसआई सतपाल सिंह (यातायात), एसआई दयाराम (पीसीआर), एएसआई शांतिप्रकाश (आर. सेल पुलिस मुख्यालय), हैडकां॰ रामअवतार (पश्चिमी जिला), हैडकां॰ महंत सिंह (उत्तरी जिला), हैडकां॰ ब्रह्मप्रकाश (दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां॰ ब्रिजपाल (स्पेशल ब्रांच), हैडकां॰ रघुवीर सिंह (पीसीआर), हैडकां॰ रतन सिंह (सुरक्षा), हैडकां॰ रंजीत सिंह (तृतीय वाहिनी), हैडकां॰ श्रीकिशन (यातायात), कां॰ कालूराम (तृतीय वाहिनी), कां॰ अमरदीप (पश्चिमी जिला), कां॰ संदीप कुमार (यातायात), कां॰ अनिल कुमार (दक्षिण–पश्चिमी जिला), स्वीपर चन्द्रपाल (दक्षिण जिला) तथा बारबर सिंह (राष्ट्रपति भवन)।

अक्टूबर माह के दौरान दिवगंत साथी..... इंस्पेक्टर दिनेशचंद (दक्षिण पूर्वी जिला), एएसआई रामनाथ दास (पीसीआर), एएसआई रमेशचंद (पी. एंड एल.), एएसआई विक्रम सिंह (पश्चिमी जिला), एएसआई करतार सिंह (संचार शाखा), एएसआई शीशपाल सिंह (उत्तरी जिला), महिला एएसआई राजेश गोयल (सुरक्षा), हैडकां॰ चाँदराम (उत्तर–पूर्वी जिला), हैडकां॰ बलबीर सिंह (नई दिल्ली जिला), हैडकां॰ पंचराम (पीसीआर), हैडकां॰ महेन्द्र सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), कां॰ सतबीर सिंह (पीसीआर), कां॰ रविन्द्र कुमार (सुरक्षा), कां॰ राजेश कुमार (पुलिस मुख्यालय), महिला कां॰ नीलम (उत्तरी जिला), कुक विश्वनाथ (बाहरी जिला) तथा टेलर नंदन सिंह (पीटीसी जे. एंड के.)।

हृदयाघात से निरीक्षक दिनेश मैशीवाल की मृत्यु

थाना सरिता विहार में तैनात **निरीक्षक दिनेश चन्द्र मैशीवाल (42)** की 26 अक्टूबर, 2010 को हृदय आघात से मृत्यु हो गयी। 1994 बैच के उप–निरीक्षक श्री मैशीवाल एक मामले की सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय गये थे कि अचानक उनके सीने में दर्द उठा और गिर पड़े। उन्हें तत्काल प्रभाव से एक अन्य उपनिरीक्षक की सहायता से अपोलो अस्पताल ले जाया गया। जहाँ उपचार के दौरान उन्हें मृत घोशित कर दिया। अपने काम के प्रति समर्पित श्री मैशीवाल उप–निरीक्षक के दौरान 6/7 जगहों पर बतौर चौकी इंचार्ज काम कर चुके थे। रोहिणी सैक्टर–9 स्थित सांई बाबा अपार्टमेंट में अपने परिवार सहित रहने वाले श्री मैशीवाल मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले थे और उनके परिवार में माता–पिता, पत्नी व दो बच्चे शामिल हैं। निरीक्षक दिनेश चन्द्र मैशीवाल की अकस्मात् मृत्यु पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने गहरा शोक प्रकट करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

मार्गपट्टी का नामकरण शहीद इं॰ मोहनचंद शर्मा के नाम

28 नवम्बर, 2010 को करावल नगर इलाके में स्थित दयालपुर क्षेत्र की एक सड़क का नामकरण शहीद इंस्पेक्टर मोहनचंद शर्मा के नाम पर किया गया है। इस मार्गपट्टी का अनावरण शहीद की पत्नी श्रीमती माया शर्मा द्वारा किया गया है। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के क्षेत्रीय चेयरमैन ठाकुर अवधेश सिंह, उत्तर–पूर्वी जिला के उपायुक्त पुलिस श्री संजय कुमार जैन, एसीपी श्री इन्दर सिंह, श्री मोहनचंद बिष्ट सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि समाज में शहीदों का स्मरण ही सच्चा पुरस्कार है।

Regn. No. : R-43037/85

विश्वविद्यालय के आसपास छात्राओं की सुरक्षा के लिए होंगे पुख्ता इंतजाम

दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं को सुरक्षित व भयमुक्त माहौल मुहैया कराने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस महिला पुलिसिंग की एक नई शुरुआत कर रही है ताकि छात्राएँ बिना किसी मनोवैज्ञानिक दबाव के अपनी शिकायत दर्ज कराने में कोई हिचकिचाहट महसूस न करें। नई व्यवस्था के अनुसार उत्तरी कैंपस परिसर में गश्त के लिए तैनात 6 पीसीआर वैनों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। चार महिला हेल्पडेस्क व तीन महिला पुलिस बूथ भी बनाए जा रहे हैं। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि किरोड़ीमल कॉलेज, ऑर्ट्स फैकल्टी, मिरांडा हाउस व सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन के पास महिला हेल्पडेस्क तथा रग्बी स्टेडियम, ऑर्ट्स फैकल्टी व किरोड़ीमल कॉलेज के पास महिला बूथ बनाए गए हैं। इसके अलावा मौरिस नगर थाने में महिला थानाध्यक्ष के साथ–साथ अन्य थानों की अपेक्षा इस थाने में ज्यादा महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। तत्पश्चात् इस व्यवस्था को साउथ कैंपस में भी लागू किया जाएगा।

पुत्री विवाह पर मिलने वाली आर्थिक सहायता (ऋण) व अंतिम संस्कार सहायतार्थ राशि दोगुणा हुई

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र संख्या 92-191/Estt.(V) PHQ dated 01-01-2010 के अनुसार दिल्ली पुलिस की वार्षिक कल्याण समिति (DPWS) की बैठक में निर्णय लिया गया है कि समिति के सदस्यों को और ज्यादा लाभान्वित करने के उद्देश्य से मासिक अशंदान 100 रुपये को जनवरी, 2010 से 50 रुपये वापसी योग्य (Refundable) और 50 रुपये (Non-Refundable) ताकि अधोलिखित लाभकारी बिंदुओं को क्रियान्वित किया जा सके।

अंतिम दाह संस्कार की सहायतार्थ राशि दोगुणाः– पुलिस– कर्मियों के अंतिम दाह संस्कार पर सहायतार्थ मिलने वाली राशि को 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये किया गया है।

पुलिसकर्मी को पुत्री विवाह पर मिलने ऋण भी दोगुणाः– पुलिसकर्मी की पुत्री के विवाह पर आर्थिक सहायता (ऋण) को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये किया गया है जो औसतन 4 प्रतिशत ब्याज की दर से स्वीकृत होगा।

स्थाई तौर पर विकलांग होने पर सहायतार्थ राशि 25 हजार से बढ़कर एक लाख रुपयेः– सरकारी ड्यूटी निश्पादन के दौरान हुई दुर्घटना से स्थाई तौर पर विकलांग हुए लेकिन लगातार सेवा में हैं, पुलिसकर्मियों को आर्थिक सहायतार्थ मिलने वाली राशि 25 हजार को बढ़ाकर एक लाख रुपये किया गया है।

अतिरिक्त असामान्य अवकाश (EOL) पर भत्ता 3 हजार से बढ़कर 10 रुपये प्रतिमाहः– ऐसे पुलिसकर्मी जो चिकित्सा आधार पर अतिरिक्त असामान्य अवकाश (EOL) प्राप्त करते हैं, रखरखाव भत्ते के रूप में प्रतिमाह मिलने वाले 3 हजार रुपये की जगह 10 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है।



पदभार ग्रहण करने के तत्काल बाद नवनियुक्त पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता मीडिया के प्रतिनिधियों से मुखातिब हुए



19 नवम्बर, 2010 को 11, अलीपुर रोड स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में पूर्व पुलिस आयुक्त श्री युद्धवीर सिंह डडवाल के सम्मान में एक विदाई पार्टी आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त श्री बी.के. गुप्ता ने श्री डडवाल को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जामा मस्जिद घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर दस लाख का इनाम

पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने 19 सितम्बर को जामा मस्जिद इलाके में पर्यटक बस से उतरते समय ताइवानी नागरिकों पर फायरिंग करने वाले दो बाइकसवारों के बारे में कोई सूचना या सुराग देने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों को ₹10,00,000 (दस लाख) रुपये पुरस्कार देने की घोशणा की है। घटना वाले दिन एक पर्यटक बस नं॰ डी.एल.आई. पीसी–2229 से जामा मस्जिद के गेट नं॰ 3 पर कुछ ताईवानी पर्यटक नीचे उतर रहे थे कि अचानक दो बाइकसवार उन पर फायरिंग कर फरार हो गये। इस घटना में गोली लगने से दो ताईवानी पर्यटक घायल हो गये थे। इस संबंध में थाना जामा मस्जिद में प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 65/2010, दिनांक 29/09/2010 भा॰दं॰सं॰ की धारा 307 व शस्त्र अधिनियम की धारा 27 के तहत मामला दर्ज हैं।



इतिहास के पन्नों से

पल्लड़ (सूत का बना मोटा कपड़ा) की चोरी

मुकदमा संख्या नं॰ 137/5, धारा–379 भा॰दं॰सं॰, दिनांक 28–11–1895, थाना–सब्जी मंडी
संक्षिप्त तथ्य :– हीरा वल्द रणजीत, जात–राजपूत, तेलीवाड़ा में शाम 4 बजे खराद का काम कर रहा था। तभी मुलिजम अब्दुल्ला वल्द हुसैनी मौका देखकर पास ही रखा दोहर गाड़ा (पल्लड़), कीमत 20 रुपये 4 आना उठाकर भागने लगा जिसको हीरा ने 100 कदम की दूरी पर लोगों की मदद से पकड़ लिया और थाने में पेश किया।
सजा :– 1 साल की कैद या 3 महीने की कैद और 10 रुपये जुर्माना। (03–01–1896)

राजेन्द्र सिंह 'कलकल'

सम्पादकः राजन भगत, जन सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस एवं सहसम्पादकः उ॰नि॰ सतबीर सिंह। मुद्रकः दिल्ली यातायात पुलिस प्रिंटिंग प्रैस, तीनमूर्ति, दिल्ली-11